

ब्रज और वृन्दावन के कलाकारों ने फाग गीतों से किया मंत्रमुग्ध

इंदौर. संपत पैलेस गार्डन परिसर कुछ समय के लिए ही सही, ब्रज और वृन्दावन की मनोहारी लीलाओं के जीवंत उत्सवों का साक्षी बन गया. अवसर था अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति की मेजबानी में शहर के 120 से अधिक अग्रवाल संगठनों की भागीदारी में आयोजित रंगारंग फाग महोत्सव का.

अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रंगमंच कलाकार वन्दनाश्री एवं उनकी टीम के 32 महिला-पुरुष कलाकारों ने करीब 4 घंटे की इन प्रस्तुतियों के दौरान राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती एवं अन्य देवी देवताओं के स्वरूप में सजे-धजे कलाकारों के माध्यम से गीत और संगीत की स्वर लहरियों के बीच हजारों समाज बंधुओं को खूब थिरकाया. पुष्प वर्षा एवं सुगन्धित रंग-गुलाल, ईत्र, चंदन तथा केशर की वर्षा के बीच

समाज बंधुओं ने इस महोत्सव का भरपूर आनंद लिया. प्रारंभ में समिति के प्रमुख संरक्षक विनोद अग्रवाल, अध्यक्ष प्रेमचंद गोयल, संयोजक जगदीश बाबाश्री तथा गणेश गोयल के साथ ब्रज रत्न से अलंकृत कलाकार वंदनाश्री, केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्षों, किशोर गोयल, संजय बांकडा, संतोष गोयल, राम एरन, कुलभूषण मित्तल कुक्की, गोविन्द सिंघल, अरविन्द बागड़ी, राजेश बंसल, विष्णु बिंदल, पीडी अग्रवाल महू तथा केन्द्रीय समिति के प्रमुख पदाधिकारियों, उपाध्यक्ष टीकमचंद गर्ग एवं रमेश मित्तल मेडीकैप्स, महामंत्री पवन सिंघानिया मोयरा एवं कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल ने महाराजा अग्रसेन का चित्र पूजन कर दीप प्रज्वलन के बाद इस शानदार मंच को वृन्दावन से आए कलाकारों के जिम्मे कर दिया।



हर कोई झूमता रहा...

यह पहला अवसर था जब वंदनाश्री पहली बार अपने वृन्दावनी रास बैंड के कलाकारों के साथ इंदौर आई, हालाँकि वे पहले भी कई बार इंदौर में अपनी मनोहारी प्रस्तुतियां दे चुकी हैं लेकिन वृन्दावनी रास बैंड के साथ पहली बार आने के कारण समाज बंधुओं में भी उनकी प्रस्तुतियों को लेकर बड़ी उत्सुकता बनी हुई थी. उनके मंच सँभालते ही गीत संगीत और भजन संकीर्तन का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ कि 4 घंटे का वक्त कब निकल गया, पता ही नहीं चला। इस दौरान वंदनाश्रीजी की टीम और उनके वृन्दावनी रास बैंड का जादू समाज बंधुओं, विशेषकर महिलाओं और युवतियों पर तो इस कदर छाया रहा कि हर कोई नाच, झूम और थिरके बिना नहीं रहा.